देश के कुल राजस्व में उत्तर प्रदेश का योगदान सर्वाधिक होने का अनुमान

लखनऊ,विशेष संवाददाता। यूपी का देश के कुल राजस्व में योगदान 13.3 प्रतिशत होने की संभावना है।इस तरह यूपी की हिस्सेदारी पूरे देश में सबसे ज्यादा होगी। एक्साइज ड्यूटी में योगदान के मामले में यूपी तीसरे स्थान पर है। केवल सिक्कम व आंध्रप्रदेश यूपी से आगे हैं।

बैंक आफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार 2025-26 में कुल 26 राज्यों की प्राप्तियां 10.6% बढ़कर ₹69.4 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।इसमें राजस्व प्राप्तियां 12.3% और पूंजीगत प्राप्तियां 6.6% बढ़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश यहां भी सबसे आगे रहेगा, जो अकेले 13.3% राजस्व का योगदान देगा। इसके बाद महाराष्ट्र (11.3%), मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान (5.9% प्रत्येक) रहेंगे।

- **यूपी का योगदान 13 फीसदी रहने की संभावना**
- **एक्साइज ड्यूटी योगदान में यूपी तीसरे स्थान पर**

उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि योगी सरकार विकास की नई परिभाषा गढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के कुल पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडीचर) में अकेले यूपी की हिस्सेदारी 16.3% रहने का अनुमान है, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। यह लगातार दूसरा वर्ष होगा जब मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पूंजी व्यय में टॉप पर रहेगा। पूंजीगत व्यय सरल शब्दों में यह वह खर्च है जो सरकार भविष्य की सुविधा और विकास के लिए करती है।